दैनिक भास्कर

24.07.2023

कोरोना काल में ग्रेजुएशन फर्स्ट ईयर में 90 प्रतिशत से ज्यादा हुए थे पास

9 साल में बीए-I का रिजल्ट 40% से 28% तक गिरा, बीसीए में केवल 21 प्रतिशत पास

भास्कर खास

सुधीर उपाध्याय | रायपुर

बीए फर्स्ट ईयर का रिजल्ट पिछले 9 साल में 40 प्रतिशत से घटकर 28 फीसदी तक पहुंचा गया है। रिजल्ट में 12 फीसदी की गिरावट आई है। बीसीए पार्ट-1 में इस बार 21 प्रतिशत छात्र ही पास हुए हैं। कोरोना काल के तीन साल को छोड़कर बीए, बीकॉम, बीएससी व बीसीए फर्स्ट ईयर का रिजल्ट कभी भी 50 प्रतिशत तक नहीं पहुंचा है। पिछले दिनों पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की ओर से वार्षिक परीक्षा के नतीजे जारी किए गए। ग्रेजुएशन की कक्षाओं में फर्स्ट ईयर का रिजल्ट सबसे कमजोर रहा है। हालांकि, रविवि ही नहीं इसके अलावा अन्य राजकीय विवि में भी इस बार ग्रेजुएशन में बड़ी संख्या में छात्र फेल हुए हैं। रविवि की वार्षिक परीक्षा के रिजल्ट को लेकर पड़ताल की गई तो पता चला कि कोरोना काल से पहले ग्रेजुएशन के विभिन्न कक्षाओं के फर्स्ट ईयर का रिजल्ट 40 से 45 फीसदी था। कोरोना काल में तीन साल जैसे, 2020, 2021 व 2022 में ऑनलाइन मोड में परीक्षा हुई। छात्रों ने घर से पेपर लिखकर जमा किया। इसका असर रिजल्ट पर पड़ा। पास होने वाले छात्रों की संख्या बढ़ गई। चाहे बीए हो या बीएससी सभी में 90 फीसदी से अधिक छात्र पास हुए। कोरोना काल के तीन साल बाद इस बार ऑफलाइन मोड में परीक्षा हुई।

ग्रेजुएशन फर्स्ट ईयर के नतीजे (आंकड़े प्रतिशत में)

वर्ष	बीए	बीकॉम	बीएससी	बीसीए
2015	40.25	41.60	28.65	23.63
2016	33.90	43.28	29.23	26.55
2017	41.40	34.74	35.83	21.74
2018	35	36	37	30
2019	30	40	41	24
2020	68.50	75.21	87.71	65
2021	95.32	98.86	93.15	97.86
2022	94.37	97.89	91.19	93.26
2023	28	45	38	20.44

बीकॉम व बीएससी का रिजल्ट पहले से बेहतर

बीकॉम व बीएससी फर्स्ट ईयर में भले ही इस बार 50 फीसदी से अधिक छात्र फेल हुए हैं, लेकिन पिछले वर्षों की तुलना में रिजल्ट इस बार बेहतर है। वर्ष 2015 में बीकॉम में 41.60 प्रतिशत छात्र पास हुए थे। कोरोना काल को छोड़ दिया जाए तो इस बार 45 फीसदी छात्र पास हुए हैं। इसी तरह बीएससी फर्स्ट ईयर का रिजल्ट 9 साल पहले 28.65 प्रतिशत था। इस बार 38 फीसदी है। कोरोना काल को छोड़कर इस क्लास का रिजल्ट भी पिछले वर्षों में कभी 40 फीसदी तक भी नहीं पहुंचा है।

12वीं में अच्छे नंबर पाने वाले भी फर्स्ट ईयर में फेल

बारहवीं में 60 फीसदी से अधिक नंबर पाने वाले कई छात्र भी फर्स्ट ईयर में फेल हुए हैं। दरअसल, रविवि से संबद्ध राजधानी समेत अन्य जगह के कॉलेजों में फर्स्ट ईयर में प्रवेश बारहवीं के नंबरों के आधार पर दिया जाता है। अच्छे सरकारी कॉलेजों में बीएससी व बीकॉम की सीटें उन्हें ही मिलती है जिनके बारहवीं में कम से कम 60 प्रतिशत रहते हैं। पिछले कुछ वर्षों के नतीजों से यह पता चलता है कि इन कक्षाओं में 50 फीसदी से अधिक छात्र फेल हुए हैं। यानी बारहवीं में अच्छे नंबर पाने वाले छात्र भी बड़ी संख्या में फेल हो रहे हैं।

रविवि यूटीडी में 32 कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा 26 से

रायपुर | पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट (यूटीडी) संचालित विभिन्न पाठ्यक्रम जैसे, एमएससी केमिस्ट्री, मैथ्स, फिजिक्स, एमए हिंदी, समाजशास्त्र में दाखिले के लिए 26 जुलाई से प्रवेश परीक्षा शुरू होगी। इसे लेकर विवि से तैयारी की जा रही है। प्रवेश परीक्षा के लिए पिछले दिनों आवेदन मंगाए गए थे। सबसे ज्यादा फार्म केमिस्ट्री, मैथ्स, फिजिक्स, बीए.एलएलबी के लिए आए हैं। रविवि अध्ययनशाला में 34 कोर्स में प्रवेश लिए आवेदन मंगाए गए थे। परीक्षा को लेकर शिड्यूल भी जारी किया गया। लेकिन एमपीएड व एलएलएम के लिए प्रवेश परीक्षा नहीं होगी। इसे निरस्त किया गया है। इस संबंध में विवि से निर्देश जारी किए गए हैं। अन्य कक्षाओं की प्रवेश परीक्षा पूर्व निर्धारित तारीख के अनुसार होगी।